



# Himanshu Choudhary

09 Sep 1999

05:29 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121263602

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 8-09/09/1999  
दिन \_\_\_\_\_: बुध-गुरुवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 05:29:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 58:37:06 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Faridabad  
राज्य \_\_\_\_\_: Haryana  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:24:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:18:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:20:48 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 05:08:12 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:02:06 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 04:18:37 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:02:09 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:34:39 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:32:30 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: शरद  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 22:02:01 सिंह  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 13:51:23 सिंह

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: सिंह - सूर्य  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मघा - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: सिद्ध  
करण \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: मूषक  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: वनचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: मे-मेहर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कन्या

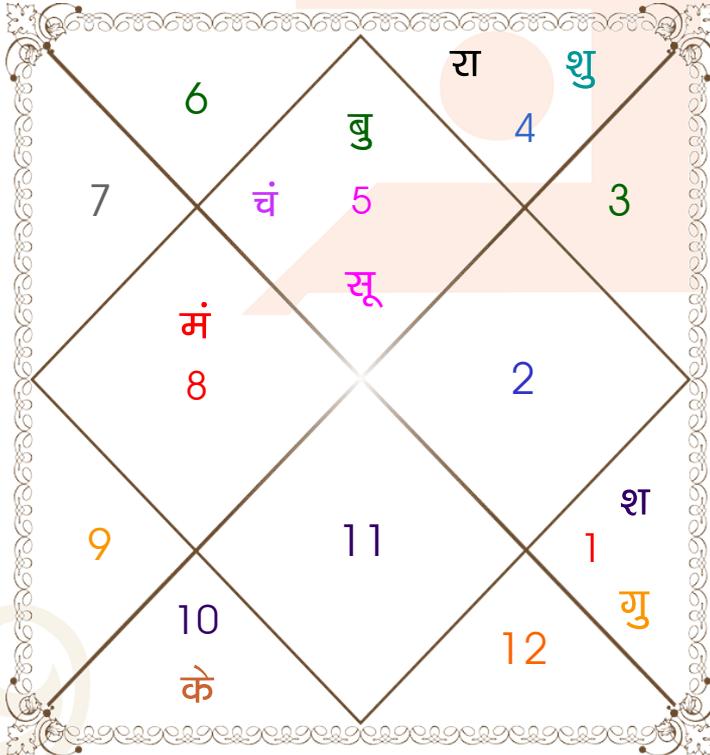
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:51:23	315:09:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	22:02:01	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			सिंह	10:40:05	13:26:46	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	10:04:13	00:38:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध	अ		सिंह	22:22:51	01:53:32	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	10:46:10	00:02:57	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	25:01:07	00:04:47	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:14:39	00:01:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:52:12	00:02:36	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:52:12	00:02:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:46:14	00:01:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप	व		मक	08:03:43	00:01:03	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:00:34	00:00:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	12:39:28	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

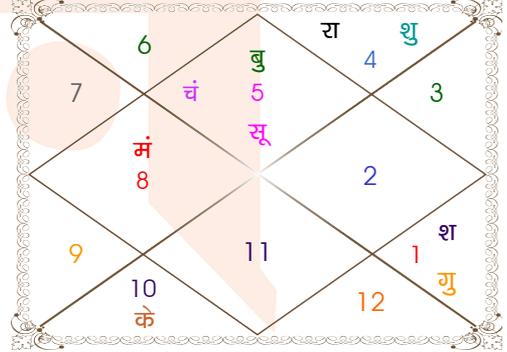
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:57

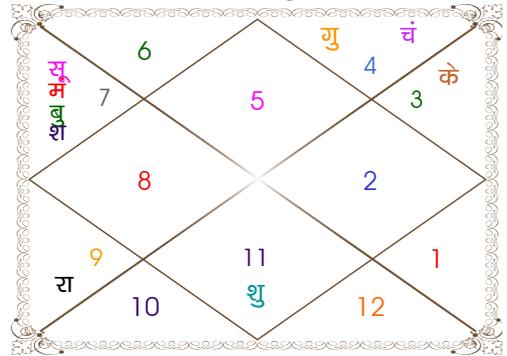
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
09/09/1999	01/02/2001	01/02/2021	01/02/2027	01/02/2037
01/02/2001	01/02/2021	01/02/2027	01/02/2037	02/02/2044
00/00/0000	शुक्र 02/06/2004	सूर्य 21/05/2021	चंद्र 03/12/2027	मंगल 30/06/2037
00/00/0000	सूर्य 03/06/2005	चंद्र 20/11/2021	मंगल 03/07/2028	राहु 18/07/2038
00/00/0000	चंद्र 01/02/2007	मंगल 28/03/2022	राहु 02/01/2030	गुरु 24/06/2039
00/00/0000	मंगल 02/04/2008	राहु 20/02/2023	गुरु 04/05/2031	शनि 02/08/2040
00/00/0000	राहु 03/04/2011	गुरु 09/12/2023	शनि 02/12/2032	बुध 30/07/2041
00/00/0000	गुरु 02/12/2013	शनि 20/11/2024	बुध 03/05/2034	केतु 27/12/2041
09/09/1999	शनि 01/02/2017	बुध 26/09/2025	केतु 02/12/2034	शुक्र 26/02/2043
शनि 05/02/2000	बुध 03/12/2019	केतु 01/02/2026	शुक्र 02/08/2036	सूर्य 04/07/2043
बुध 01/02/2001	केतु 01/02/2021	शुक्र 01/02/2027	सूर्य 01/02/2037	चंद्र 02/02/2044

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
02/02/2044	01/02/2062	01/02/2078	01/02/2097	02/02/2114
01/02/2062	01/02/2078	01/02/2097	02/02/2114	00/00/0000
राहु 15/10/2046	गुरु 21/03/2064	शनि 04/02/2081	बुध 30/06/2099	केतु 01/07/2114
गुरु 09/03/2049	शनि 03/10/2066	बुध 15/10/2083	केतु 28/06/2100	शुक्र 31/08/2115
शनि 14/01/2052	बुध 07/01/2069	केतु 23/11/2084	शुक्र 29/04/2103	सूर्य 06/01/2116
बुध 03/08/2054	केतु 14/12/2069	शुक्र 23/01/2088	सूर्य 04/03/2104	चंद्र 06/08/2116
केतु 21/08/2055	शुक्र 14/08/2072	सूर्य 04/01/2089	चंद्र 03/08/2105	मंगल 02/01/2117
शुक्र 21/08/2058	सूर्य 03/06/2073	चंद्र 06/08/2090	मंगल 01/08/2106	राहु 21/01/2118
सूर्य 16/07/2059	चंद्र 03/10/2074	मंगल 15/09/2091	राहु 17/02/2109	गुरु 28/12/2118
चंद्र 14/01/2061	मंगल 08/09/2075	राहु 22/07/2094	गुरु 26/05/2111	शनि 10/09/2119
मंगल 01/02/2062	राहु 01/02/2078	गुरु 01/02/2097	शनि 02/02/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् “पांचों उंगुली घी में” जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामर्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान हैं।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम हैं तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुड़ी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाते। उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।